28/3/2020

कक्षा 5

विषय - हिन्दी

शब्दार्थ -
तेज = प्रकाश
कीर्ति = यश
धवल = सफेद
श्रृंगार = सजावट
अमल = स्वच्छ
चमका देना = प्रकाशित करना
पथ = रास्ता

(क) इन प्रश्नों के उत्तर लिखो -
प्र०1 ईश्वर की कीर्ति किस रूप में फैल रही है?
उत्तर: ईश्वर की कीर्ति चाँदनी धवल के रूप मे फैल रही
प्र०2 तारे क्या कर रहें हैं?
उत्तर:- तारे चमक रहें।
प्र०3 कवि अपने जीवन के पथ पर क्या बिखराना चाहता
उत्तर:- कवि अपने जीवन के पथ पर कुछ किरणें चमका बिखराना चाहता है।

(ख) सही उत्तर पर सही का चिह्न (✓) लगाओ
1. ईश्वर का तेज किस रूप मे चमक रहा है?
उत्तर 1) चाँदनी के रूप मे ☐ 2) सूर्य मंडल बनकर ☑ 3) तारा मंडल बनकर ☐
2. ईश्वर का श्रृंगार बनकर कौन चमक रहा है?
1) सूरज की किरणे ☐ 2) चंद्रमा की चाँदनी ☐ 3) लाखों
3. कवि ने ईश्वर को किसका स्वामी बताया है?
1) प्रकाश का स्वामी ☑ 2) अंधकार का स्वामी ☐ 3) जगकाश

★ गृहकार्य :- 1) शब्दार्थ को याद करें एवं कॉपी मे लि
2) प्रश्नोत्तर को कॉपी मे लिखें एवं याद करें